University in News on 24 July 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : फेल होने पर देनी होगी दोगुनी फीस

विद्यार्थियों को एग्जेम्प्टेड के बजाय सिर्फ बैक पेपर की ही सुविधा

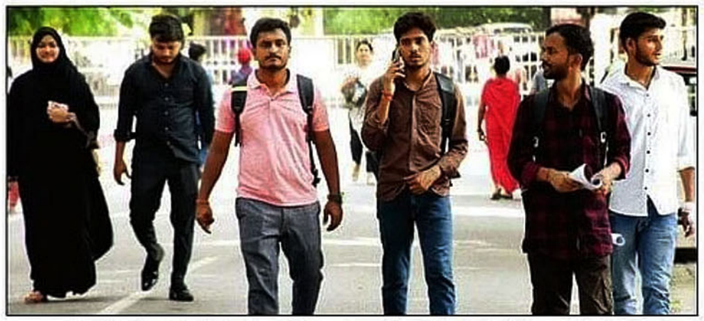

लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को छात्र-छात्राओं की आमद से परिसर गुलजार रहा। -संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद एग्जेम्प्टेड व्यवस्था समाप्त हो चुकी है। इसकी वजह से फेल होने वाले स्टूडेंट्स को दोबारा परीक्षा देने के लिए अब दोगुनी फीस चुकानी पड़ रही है। विवि में बीए की फीस महज 3027 रुपये प्रति सेमेस्टर है। वहीं फेल होने पर स्टूडेंट्स को हर पेपर के लिए एक हजार रुपये फीस जमा करनी है। ऐसे में उसे छह हजार रुपये जमा करने पड़ रहे हैं।

लविवि में अभी तक किसी भी साल की परीक्षा में गैरहाजिर होने पर उसे एग्जेम्प्टेड मानते हुए अगले साल उसकी कक्षा में दाखिला मिल जाता है। इसके बाद उसे ट्यूशन फीस नहीं जमा करनी होती थी। महज 1250 रुपये परीक्षा फीस जमा करके ही उसे परीक्षा देने का मौका मिल जाता था। अब नई व्यवस्था में उसे सभी छह पेपर के लिए बैक पेपर भरना पड़ रहा है। इस तरह से उसे छह पेपर के लिए छह हजार रुपये फीस चुकानी पड़ रही है।

नई शिक्षा नीति में नहीं है व्यवस्था

नई शिक्षा नीति में एग्जेम्प्टेड की व्यवस्था नहीं है। इसकी वजह से बैक पेपर भरने होते हैं। बैक पेपर में हर पेपर के लिए फीस निर्धारित है। विद्यार्थियों को वही चुकानी होती है।

– प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता लविवि

सेमेस्टर की बेसिक फीस छह हजार से कम : लविवि में इस समय बीए के साथ ही बीकॉम और बीएससी रेग्युलर की बेसिक फीस छह हजार रुपये से कम है। इस समय बीए की फीस 3027 रुपये, बीकॉम और बीएससी की बेसिक फीस 3527 रुपये है।

हालांकि विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए विद्यार्थियों को दो हजार रुपये प्रयोगशाला और अन्य फीस चुकानी होती हैं। इस तरह से यह फीस बीएससी बायो के मामले में 10,027 रुपये, बीकॉम के लिए 4027 और बीएससी मैथ्स के लिए 8027 रुपये होती है।

कल से शुरू होंगी पीजी कोर्सों की प्रवेश परीक्षाएं

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार से परास्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। परीक्षाओं की शुचिता, पारदर्शिता और अनुशासन बनाए रखने के लिए प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए हैं। परीक्षा देने वाले अभ्यर्थी गेट संख्या 1, 2, 3, 4 व 7 से परिसर में प्रवेश करेंगे। लविवि के प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी पत्र जारी करते हुए कहा कि परीक्षा अवधि में विवि में किसी भी तरह के अनधिकृत वाहन के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। परीक्षा में किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण व पाठ्य सामग्री लाने की मनाही होगी। ऐसे करते पाए जाने पर अभ्यर्थी की परीक्षा निरस्त कर दी जाएगी। अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने के आधे घंटे पहले परीक्षा केंद्र पर रिपोर्ट करनी होगी। लविवि ने अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र विवि की वेबसाइट पर जारी कर दिए हैं। अभ्यर्थी लॉगिन आईडी व पासवर्ड के माध्यम से इसे डाउनलोड कर पाएंगे। विवि में पीजी की प्रवेश परीक्षाएं 25 से 31 जुलाई के बीच होना प्रस्तावित हैं। (संवाद)

चॉइस फिलिंग की तारीख बढ़ाई

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवेश विभाग ने बीए और बीवीए-बीएफए पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए चॉइस फिलिंग की तिथि को बढ़ा दिया है। अब ऑनलाइन काउंसिलिंग के तहत विद्यार्थी 25 जुलाई तक चॉइस फिलिंग कर सकेंगे।

बीए व बीवीए-बीएफए में काउंसिलिंग के लिए 25 जुलाई तक मौका

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने पत्र जारी करते हुए इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी लॉगिन आईडी और पासवर्ड के माध्यम से चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया को पूरा कर सकेंगे। 25 जुलाई के बाद किसी की भी चॉइस फिलिंग पर विचार नहीं किया जाएगा।

पुनर्वास विवि में शुरू होंगे नए डिप्लोमा कोर्स

लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में दो नए डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू होंगे। भारत सरकार की नियामक संस्था भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) ने मंगलवार को इसकी मंजूरी दे दी।

भारतीय पुनर्वास परिषद ने दी मंजूरी

कुलपति प्रो. संजय सिंह ने बताया कि नए शुरू होने वाले डिप्लोमा कोर्सों में डिप्लोमा इन इंडियन साइन लैंग्वेज इंटरप्रिटेशन और डिप्लोमा इन टीचिंग इंडियन साइन लैंग्वेज शामिल हैं। इन दोनों डिप्लोमा कोर्स में 30-30 सीटों पर प्रवेश लिए जाएंगे। इनके लिए जल्द ही आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। पैरामेडिकल एवं रिहैबिलिटेशन संकाय के अधिष्ठाता प्रो. वीके सिंह ने बताया कि 26 जून को भारतीय पुनर्वास परिषद के सदस्य सचिव ने विश्वविद्यालय का दौरा किया था। इस पर उन्होंने इन पाठ्यक्रमों के संचालन की बात कही थी। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 4

टिप्पणी | केंद्र सरकार ने आम बजट के जरिए उपेक्षित को अपेक्षित में बदल कर अर्थव्यवस्था को नया ग्रोथ इंजन बनाने का प्रयास किया

विकसित भारत की यात्रा को सफल करता बजट

विशेषज्ञ की राय

प्रो. एमके अग्रवाल, अर्थशास्त्र विभाग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के पहले बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विकसित भारत बनाने की रणनीति को और अधिक स्पष्ट कर दिया है। संसाधनों का व्यापक उपयोग करते हुए देश को आत्मनिर्भरता के माध्यम से विकसित भारत की ओर ले जाने की कार्ययोजना है। बजट को ध्यान से देखें तो केंद्र सरकार ने हमेशा की तरह उन पहलुओं को सशक्त और ऊर्जावान करने का प्रयास किया है जो अब तक उपेक्षित थे। उपेक्षित को अपेक्षित में बदल कर अर्थव्यवस्था को नया ग्रोथ इंजन बनाने का प्रयास किया है। इसी रणनीति के तहत बजट में युवा, महिला, कृषि, प्रशासनिक सुधार और क्षेत्रीय सशक्तीकरण करने का प्रयास किया गया है।

वित्त मंत्री ने युवा शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के लिए दो करोड़ की राशि निर्धारित की है। इसी के तहत देश की टॉप 500 कंपनियां पांच वर्ष में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप कराएंगी। मुद्रा योजना ऋण की सीमा बढ़ाकर 20 लाख कर दी गई है। महिलाओं के आर्थिक विकास एवं सशक्तीकरण के लिए तीन लाख करोड़ का प्रावधान किया गया है। इससे यह वर्ग आर्थिक विकास में और भूमिका निभा पाएगा। कृषि के आधुनिकीकरण, उत्पादकता वृद्धि और भूमि के रिकॉर्ड की डिजिटल व्यवस्था की बात कही गई है। इसके तहत बदलते पर्यावरण के अनुकूल उच्च उत्पादकता वाले बीजों के वितरण व प्राकृतिक खेती को महत्व दिया गया है। छोटे व कुटीर उद्योग-धंधों पर भी सरकार का ध्यान है। अर्थव्यवस्था में आय व रोजगार बढ़ाने में यह क्षेत्र बड़ी भूमिका निभाता है। इसलिए सिडबी की कई शाखाओं में वृद्धि की जा रही है और इनको तकनीकी व अन्य सहयोग भी उपलब्ध कराया जाएगा। ऊर्जा के क्षेत्र में सुधार और आत्मनिर्भरता का कार्य जारी है। साथ ही नवाचार, शोध और विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके अंतर्गत निजी क्षेत्र को एक लाख करोड़ की सहायता उपलब्ध कराई जाएगी और एक नए फंड की स्थापना की जाएगी। जलवायु परिवर्तन को सही करने के लिए भी इसमें प्रयास दिखाई पड़ते हैं।

पिछड़े राज्यों को आर्थिक संबल प्रदान करने से भी नया ग्रोथ इंजन बनेगा। इसी के अंतर्गत बिहार में दो मंदिर कॉरिडोर, बाढ़ नियंत्रण, एक्सप्रेस सड़कों का निर्माण और सिंचाई सुविधा आदि के लिए बड़ी धनराशि आवंटित की गई है।

PIONEER PAGE 3

लविवि की एनसीसी बटालियन का रैंक वितरण समारोह आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

64वीं यूपी बटालियन एनसीसी लखनऊ विश्वविद्यालय के सत्र 2024-25 का रैंक वितरण समारोह आयोजित किया गया। एनसीसी में रैंक के अनुसार सीनियर अंडर ऑफिसर, अंडर ऑफिसर , कंपनी सार्जेंट मेजर, कंपनी क्वार्टर मास्टर सार्जेंट के बाद सार्जेंट, कॉर्पोरल और लांस कॉर्पोरल शामिल हैं। सीनियर अंडर ऑफिसर जो एनसीसी में सर्वोच्च रैंक है, रत्नाकर राय को दी गयी, उसके बाद अंडर ऑफिसर विनय वर्मा, अंडर ऑफिसर प्रेरणा शर्मा एवं अंडर ऑफिसर गौरव यादव को प्रदान की गई। कंपनी सार्जेंट मेजर माही सिंह, कंपनी क्वार्टर मास्टर सार्जेंट अर्पित वर्मा, सार्जेंट भूमिका गुप्ता, अंशिका सिंह एवं राज को प्रदान की गई। साथ ही 5 कॉर्पोरल और 12 लांस कॉर्पोरल की रैंक वितरित की गई। रैंक के साथ कई जिम्मेदारियाँ भी आती हैं, रैंक प्राप्त करने के बाद कैडेटों को उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में अवगत कराया गया। रैंक वितरण 64 यूपी बीएन एनसीसी के एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर डॉ. रजनीश कुमार यादव ने किया और इस अवसर पर सूबेदार मेजर भूपेन्द्र सिंह धामी, नायब सूबेदार राम किशन और अन्य ट्रेनिंग स्टॉफ उपस्थित रहा। साथ ही इस आयोजन पर कैडेटों ने आशावादी जोश और उत्साह के साथ भाग लिया।

i-NEXT PAGE 2

विकसित भारत की ओर ले जाने की योजना

LUCKNOW: पीएम नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के बजट को पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विकसित भारत बनाने की रणनीति को स्पष्ट कर दिया है. बजट अगर को ध्यान से देखें तो नरेंद्र मोदी की सरकार ने हमेशा की तरह उन पहलुओं को सशक्त करने का प्रयास किया है जो एवं ऊर्जावान अबतक उपेक्षित थे. इन्होंने उपेक्षित को अपेक्षित में बदल कर भारत की अर्थव्यवस्था को नया ग्रोथ इंजन बनाने की इसी रणनीति के अंतर्गत इस बजट में कार्य किया है. बजट में युवा, महिला एवं लड़की, कृषि, प्रशासनिक सुधार एवं क्षेत्रीय सशक्तिकरण करने का प्रयास किया है. इनके यदोचित सशक्तिकरण, निवेश और कौशल आदि के माध्यम से इनको आर्थिक विकास की मुख्य धारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है.

युवाओं को मिलेगा फायदा

वित्त मंत्री ने युवाओं की शिक्षा कौशल विकास तथा रोजगार आदि के लिए 2 लाख करोड़ की राशी निर्धारित की है. अगले 5 वर्ष तक 500 टॉप भारतीय कंपनियों में 1 करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप की सुविधा दिलाई जाएगी. जिसमें कुछ आर्थिक लाभ भी शामिल है, जो कंपनियां अपने फंड से उपलब्ध कराएंगी. मुद्रा योजना के अंतर्गत में ऋण की सीमा बढ़ाकर 20 लाख कर दी गई है. यह बजट विकास को एक नया आयाम देने में सफल होगा और विकसित भारत की ओर हमारी यात्रा भी सफल होगी.

प्रो. एमके अग्रवाल, अर्थशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय

JAGRAN CITY PAGE III

रत्नाकर राय बने सीनियर अंडर आफिसर

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में 64वीं यूपी बटालियन एनसीसी के सत्र 2024-25 का रैंक वितरण समारोह आयोजित किया गया। सीनियर अंडर आफिसर रैंक रत्नाकर राय को दी गई। उसके बाद अंडर आफिसर विनय वर्मा, अंडर आफिसर प्रेरणा शर्मा एवं अंडर आफिसर गौरव यादव को प्रदान की गई। कंपनी सार्जेंट मेजर माही सिंह, कंपनी क्वार्टर मास्टर सार्जेंट अर्पित वर्मा, सार्जेंट भूमिका गुप्ता, अंशिका सिंह एवं राज को प्रदान की गई साथ ही पांच कार्पोरल और 12 लांस कार्पोरल की रैंक वितरित की गई।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

कमजोर वर्ग को मजबूत बनाने की रणनीति

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के पहले बजट को पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने विकसित भारत बनाने की रणनीति को और अधिक स्पष्ट कर दिया है। इसके तहत अपने संसाधनों का व्यापक उपयोग करते हुए भारत को आत्मनिर्भता के माध्यम से विकसित भारत की ओर ले जाने की कार्य योजना है। अगर इस बजट को ध्यान से देखें तो नरेंद्र मोदी की सरकार ने हमेशा की तरह उन पहलुओं को सशक्त स्वयं ऊर्जावान करने का प्रयास किया है जो अब तक उपेक्षित थे। इन्होंने उपेक्षित को अपेक्षित में बदल कर भारत की अर्थव्यवस्था को नये ग्रोथ इंजन बनाने का कार्य किया है।इसी रणनीति के अंतर्गत 2024-2025 के इस बजट में युवा, महिला एवं कृषि, प्रशासिनक सुधार एवं क्षेत्रीय सशक्तिकरण करने का प्रयास किया है। यह सभी ज्यादातर उपेक्षित और पिछड़े ही रहे है। ऐसे में इनके यदोचित सशक्तिकरण,निवेश,कौशल आदि के माध्यम से इनको आर्थिक विकास की मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है। **प्रो.एम.के. अग्रवाल अर्थशास्त्र विभाग लविवि।**

64 यूपी बीएन एनसीसी में रैंक वितरण समारोह सम्पन्न

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। 64वीं यूपी बटालियन एनसीसी लखनऊ विश्वविद्यालय के सत्र 2024-25 का रैंक वितरण समारोह आयोजित किया गया। एनसीसी में रैंक के अनुसार सीनियर अंडर ऑफिसर, अंडर ऑफिसर ,कंपनी सार्जेंट मेजर, कंपनी क्वार्टर मास्टर सार्जेंट के बाद सार्जेंट, कॉर्पोरल और लांस कॉर्पोरल शामिल हैं। सीनियर अंडर ऑफिसर जो एनसीसी में सर्वोच्च रैंक है, रत्नाकर राय को दी गयी। उसके बाद अंडर ऑफिसर विनय वर्मा, अंडर ऑफिसर प्रेरणा शर्मा एवं अंडर ऑफिसर गौरव यादव को प्रदान की गई। कंपनी सार्जेंट मेजर माही सिंह, कंपनी क्वार्टर मास्टर सार्जेंट अर्पित वर्मा, सार्जेंट भूमिका गुप्ता, अंशिका सिंह एवं राज को प्रदान की गई। साथ ही 5 कॉर्पोरल और 12 लांस कॉर्पोरल की रैंक वितरित की गई। रैंक के साथ कई जिम्मेदारियां भी आती हैं। रैंक प्राप्त करने के बाद कैडेटों को उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में अवगत कराया गया। रैंक वितरण 64 यूपी बीएन एनसीसी के एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर डॉ. रजनीश कुमार यादव ने किया। इस अवसर पर सूबेदार मेजर भूपेन्द्र सिंह धामी, नायब सूबेदार राम किशन और अन्य ट्रेनिंग स्टॉफ उपस्थित रहा। समारोह में कैडेटों ने जोश और उत्साह के साथ भाग लिया।